सरकार (http://loksevanews.com/category/सरकर)

मधुमक्खी पालन के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया - कृषि मंत्री

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने के अपने लक्ष्य के तहत सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है

Rajat Jai Tripathi (http://loksevanews.com/profile/rajat-jai-tripathi) May 22, 2020 08:20

0 113

Narendra Singh Tomar

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने के अपने लक्ष्य के तहत सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) द्वारा आयोजित वेबिनार को सम्बोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मधुमक्खी पालन के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में शहद के 5 सबसे बड़े उत्पादकों में शुमार है। भारत में वर्ष 2005-06 की तुलना में अब शहद उत्पादन 242 प्रतिशत बढ़ गया है, वहीं इसके निर्यात में 265 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कृषि मंत्री ने कहा कि बढ़ता शहद निर्यात इस बात का प्रमाण है कि मधुमक्खी पालन 2024 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कारक रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड ने राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं मधु मिशन (एनबीएचएम) के लिए मधुमक्खी पालन के प्रशिक्षण के लिए चार माड्यूल बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से देश में 30 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। इन्हें सरकार द्वारा वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए गठित की गई समिति की सिफारिशों का कार्यान्वयन कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने मीठी क्रांति के तहत हनी मिशन की भी घोषणा की है, जिसके चार भाग है, इसका भी

काफी लाभ मिलेगा। मधुमक्खी पालन का काम गरीब व्यक्ति भी कम पूंजी में अधिक मुनाफा प्राप्त करने के लिए कर सकता है। इसीलिए, इसे बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा 500 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है। इससे मधुमक्खी पालकों के साथ ही किसानों की भी दशा और दिशा सुधारने में मदद मिलेगी।

Tags:

Nrendra Singh Tomar (http://loksevanews.com/tag/nrendra-singh-tomar)

Beekeeping (http://loksevanews.com/tag/beekeeping)

Agriculture Minister (http://loksevanews.com/tag/agriculture-minister)

Aatm Nirbhar Package (http://loksevanews.com/tag/aatm-nirbhar-package)

Krishi Mantri (http://loksevanews.com/tag/krishi-mantri)

PREVIOUS ARTICLE

पाकिस्तान में हुए विमान हादसे पर दुखी हो गए पीएम मोदी, कही ये बात (http://loksevanews.com/pm-narendra-modi-said-pakistan-plane-accident-in-karachi)

NEXT ARTICLE

डॉ हर्षवर्धन ने WHO के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार संभाला (http://loksevanews.com/dr-harshvardhan-singh-take-charge-chairman-of-the-world-health-organisations-executive-board)

WHAT'S YOUR REACTION?

0

LIKE

0

DISLIKE

0

LOVE

0

FUNNY

0

ANGRY

0

SAD

\

कोरोना वायरस

दुनिया के पांच बड़े शहद उत्पादक देशों में शामिल हुआ भारत : तोमर

नयी दिल्ली, 22 मई (भाषा) केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विश्व के पांच सबसे बड़े शहद उत्पादक देशों में स्थान बनाया है। देश में शहद का उत्पादन 2005-06 की तुलना में 242 प्रतिशत बढ़ गया है। तोमर ने कहा कि सरकार ने, ''किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार मधुमक्खीपालन को बढ़ावा दे रही है और सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मधुमक्खीपालन को और बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। देश में मधुमक्खीपालकों की मेहनत से,

डिसक्लेमर: यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated: 22 May 2020, 04:35:00 PM IST

नयी दिल्ली, 22 मई (भाषा) केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विश्व के पांच सबसे बड़े शहद उत्पादक देशों में स्थान बनाया है। देश में शहद का उत्पादन 2005-06 की तुलना में 242 प्रतिशत बढ़ गया है। तोमर ने कहा कि सरकार ने, ''किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार मधुमक्खीपालन को बढ़ावा दे रही है और सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मधुमक्खीपालन को और बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। देश में मधुमक्खीपालकों की मेहनत से, विश्व में शहद के पांच सबसे बड़े उत्पादकों में भारत का नाम शुमार हुआ है।।'' कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 2005-06 की तुलना में अब शहद उत्पादन 242 प्रतिशत बढ़ गया है वहीं इसके निर्यात में 265 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने में मधुमक्खी पालन बहुत सहायक साबित हो सकता है। मंत्रालय की यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। कृषि मंत्री ने यह बात राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) द्वारा 'मीठी क्रांति और आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आयोजित वेबिनार में कही। इस वेबिनार का आयोजन एनसीडीसी ने राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, पश्चिम बंगाल सरकार, उत्तराखंड सरकार और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के साथ मिलकर किया था। तोमर ने कहा कि शहद उत्पादन और इसके निर्यात में वृद्धि से यह प्रदर्शित हो रहा है कि इस काम से किसान लाभान्वित हो रहे हैं, उनके जीवनस्तर में बदलाव आ रहा है और उनकी आमदनी भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खीपालन के प्रशिक्षण के लिए चार मॉड्यूल बनाये गये हैं, जिसके माध्यम से देश में 30 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें अन्य सहायता भी उपलब्ध कराई गयी है। तोमर ने कहा कि मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देने के लिए गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर भी सरकार आगे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन का काम गरीब व्यक्ति भी कम पूंजी में अधिक मुनाफा कमाने के लिए कर सकता है। इसलिए इसे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से 500 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि इससे मधुमक्खीपालकों के साथ-साथ किसानों की स्थिति में भी सुधार लाने में मदद मिलेगी। बुधवार को आयोजित हुए इस वेबिनार में मधुमक्खीपालकों के साथ शहद प्रसंस्कणकर्ताओं, विपणन एवं ब्रांडिंग पेशेवरों और अन्य अंशधारकों के अलावा एफएओ तथा एनईडीएसी, बैंकॉक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भी भागीदारी हुई। एनसीडीसी के प्रबंध निदेशक

विडियो

2019-20 में भारत की GDP ग्रोथ 11 साल के ..

Paytm ने OTP को लेकर बताई एक राज़ की बात..

कहां जाएंगी चीन से निकल रही कंपनियां, वि..

कोरोना ने किया तंगहाल? सोना बेचने चले है..

रेकमेंडेड खबरें

नहीं रहे फेमस डायरेक्टर बासु चटर्जी, जिन्होंने दी हैं 'रजनीग..

Adv: होम और किचन अप्लायंस पर बड़ी छूट

स्विगी ने अब पश्चिम बंगाल में शुरू की शराब की घरों तक आपूर्ति

स्विगी ने अब पश्चिम बंगाल में शुरू की शराब की घरों तक आपूर्त..

हरियाणा: जुलाई से चरणबद्ध तरीके से खुलेंगे स्कूल, ये है राज्..

Rajasthan mausam live : फिर घिरे बादल , जानिए प्रदेश में आज ..

UP: हमीरपुर में 3 साल के बच्चे ने 9 दिन में जीती कोरोना से ज..

एटलट साइकल का पहिया थमा, 'कैसे चलेगी अब परिवार की गाड़ी'

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, किसानों की आय दुगनी करने के अपने लक्ष्य के तहत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है सरकार

आत्मनिर्भर अभियान के तहत सरकार ने मधुमक्खी पालन के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया: श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

भारत विश्व के पांच शीर्ष शहद उत्पादकों में शुमार

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने के अपने लक्ष्य के तहत सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) द्वारा आयोजित वेबिनार को सम्बोधित करते हुए श्री तोमर ने कहा कि सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मधुमक्खी पालन के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में शहद के 5 सबसे बड़े उत्पादकों में शुमार है। भारत में वर्ष 2005-06 की तुलना में अब शहद उत्पादन 242 प्रतिशत बढ़ गया है, वहीं इसके निर्यात में 265 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

श्री तोमर ने कहा कि बढ़ता शहद निर्यात इस बात का प्रमाण है कि मधुमक्खी पालन 2024 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कारक रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड ने राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं मधु मिशन (एनबीएचएम) के लिए मधुमक्खी पालन के प्रशिक्षण के लिए चार माड्यूल बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से देश में 30 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। इन्हें सरकार द्वारा वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री तोमर ने बताया कि सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए गठित की गई समिति की सिफारिशों का कार्यान्वयन कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने मीठी क्रांति के तहत हनी मिशन की भी घोषणा की है, जिसके चार भाग है, इसका भी काफी लाभ मिलेगा। मधुमक्खी पालन का काम गरीब व्यक्ति भी कम पूंजी में अधिक मुनाफा प्राप्त करने के लिए कर सकता है। इसीलिए, इसे बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा 500 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है। इससे मधुमक्खी पालकों के साथ ही किसानों की भी दशा और दिशा सुधारने में मदद मिलेगी।

वेबिनार में उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने उत्तराखंड को जैविक शहद उत्पादन की मुख्यधारा में लाने के राज्य सरकार के संकल्प पर प्रकाश डाला। उन्होंने हनी मिशन में संशोधन लाने की आवश्यकता का उल्लेख किया। एनसीडीसी के प्रबंध निदेशक श्री सुदीप कुमार नायक ने महिला समूहों को बढ़ावा देने और एपिकल्चर सहकारी समितियों के विकास में एनसीडीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वाइस चांसलर प्रो. नजीर अहमद ने कश्मीर में शहद की अनूठी विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। यूएनएफएओ के प्रतिनिधि श्री तोमियो शिचिरी ने शहद के निर्यात में गुणवत्ता आश्वासन के महत्व पर चर्चा की। पश्चिम बंगाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. एम.वी. राव ने महिला समूहों द्वारा जैविक शहद व जंगली शहद के उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार के कदमों के बारे में बताया। बागवानी आयुक्त डॉ. बी.एन.एस. मूर्ति ने नए मिशन में नवाचारों पर प्रकाश डाला।

मध्य प्रदेश, कश्मीर, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, बिहार, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश व झारखंड के सफल मधुमक्खी पालकों और उद्यमियों ने अपने अनुभवों को साझा किया और मीठी क्रांति लाने के लिए आगे के तरीके सुझाए।

''मीठी क्रांति और आत्मनिर्भर भारत'' विषय पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने यह वेबिनार राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, पश्चिम बंगाल सरकार, उत्तराखंड सरकार और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के साथ मिलकर कल आयोजित किया था। इस आयोजन का उद्देश्य कृषि आय और कृषि उत्पादन बढ़ाने के साधन के रूप में भूमिहीन ग्रामीण गरीब, छोटे और सीमांत लोगों के लिए आजीविका के स्रोत के रूप में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को लोकप्रिय बनाना है। इस वेबिनार में मधुमक्खी पालकों के साथ ही शहद प्रोसेसर, विपणन और ब्रांडिंग पेशेवरों, अनुसंधान विद्वानों, शिक्षाविदों, प्रमुख शहद उत्पादक राज्यों के सहयोगियों, राज्य और केंद्र सरकारों के प्रतिनिधियों, एफएओ और एनईडीएसी, बैंकॉक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया।

एएम/आरके/एसएस

(Release ID: 1626167)